सांध्य दैनिक 4PM

यदि आप दूसरों की मदद कर सकते हैं, तो अवश्य करें, यदि नहीं कर सकते हैं तो कम से कम उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाइए।

-दलाई लामा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 60 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 3 अप्रैल, 2024

मयंक ने फिर दिखाया कमाल, लखनऊ को... 7 | चुनाव आते ही हवा में तैरने लगे... 3 | सपा-कांग्रेस ने बीजेपी को मात... 2

अपार जनसमूह के साथ नामांकन करने वायनाड पहुंचे राहुल गांधी

» कांग्रेस नेता का मेगा रोड शो, कई दिग्गज नेता भी रहे मौजूद

» मेरे संसदीय क्षेत्र के लोग छोटी बहन प्रियंका जैसे : राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वायनाड। कांग्रेस सांसद और उम्मीदवार राहुल गांधी ने बुधवार, 3 अप्रैल को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल करने से पहले अपने निर्वाचन क्षेत्र केरल के वायनाड में एक मेगा रोड शो किया। उनके साथ उनकी बहन और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी थीं। राहुल गांधी ने 2019 के संसद चुनाव में वायनाड सीट चार लाख से अधिक वोटों के भारी अंतर से जीती थी। पार्टी ने कहा कि राहुल गांधी वायंड के एक गांव मुप्पैनाद में हेलीकॉप्टर से पहुंचे और कलपेट्टा तक सड़क मार्ग से यात्रा की।

कांग्रेस ने कहा कि सुबह करीब 11 बजे, उन्होंने कलपेट्टा से एक रोड शो किया, जिसमें उनके साथ प्रियंका गांधी और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल और दीपा दास, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ के एआईसीसी प्रभारी कन्हैया कुमार और साथ ही राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन और केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष एमएम हसन भी शामिल हैं। रोड शो में हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। पार्टी ने कहा कि रोड शो दोपहर के आसपास सिविल स्टेशन के पास समाप्त होगा। रोड शो के के बाद राहुल गांधी जिला कलेक्टर को अपना पर्चा भरकर नामांकन पत्र सौंपा।

2019 में 7,06,367 वोट पाकर जीते थे राहुल

2019 के लोकसभा चुनावों में, राहुल गांधी ने कुल 10,92,197 में से 7,06,367 वोट पाकर जीत हासिल की, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी - सीपीआई के पीपी सुनीर - को केवल 2,74,597 वोट मिले। केरल में इस साल लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग 26 अप्रैल को होगी। सीपीआई ने इस सीट से एनी राजा को और बीजेपी ने अपनी राज्य इकाई के प्रमुख के सुरेंद्रन को यहां से मैदान में उतारा है।

'विचारधारा अलग हो सकती है लेकिन सब मेरे परिवार की तरह'

इस दौरान राहुल गांधी ने कहा, आपका सांसद होना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं आप सबको अपनी छोटी बहन प्रियंका जैसा ही समझता हूं। यहां जंगली जानवर का शिकार बनते इंसान का मुद्दा बड़ा है। मेडिकल कॉलेज का मुद्दा है, मैंने सारे मुद्दे उठाए, सीएम को पत्र लिखा लेकिन कुछ नहीं हुआ। जब केंद्र और केरल में हमारी सरकार होगी हम आपकी सारे मुद्दे हल करेंगे। यूडीएफ हों या एलडीएफ सब मेरे परिवार की तरह हैं। भले ही विचारधारा का फर्क हो। बीते पांच सालों में मुझे आपके साथ बहुत कुछ सीखने को मिला है।

केजरीवाल की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई

» गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली के सीएम पहुंचे हैं अदालत

» आप 7 अप्रैल को देशभर में करेगी सामूहिक उपवास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीएम अरविंद केजरीवाल की याचिका पर आज बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हो रही है। केजरीवाल ने कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका दायर की है। इसके बाद हाईकोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को अपना जवाब पेश किया। गौरतलब हो कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े लॉन्ड्रिंग मामले में 21 मार्च को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद केजरीवाल ईडी हिरासत में रहे और फिर उन्हें कोर्ट ने 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद केजरीवाल को तिहाड़ जेल के नंबर 2 में रखा गया है।

आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में सामूहिक उपवास रखने का एलान किया है। दिल्ली सरकार में मंत्री और आप नेता गोपाल राय ने कहा, 7 अप्रैल को देशभर में सामूहिक उपवास किया जाएगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आप के सभी मंत्री, विधायक, सांसद और पार्टी नेता 7 अप्रैल को जंतर-मंतर पर सामूहिक उपवास रखेंगे। हम लोगों से यह भी अपील करते हैं कि जो लोग सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ हैं और लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं और इस देश से प्यार करना चाहते हैं, वे भी अपने घरों, गांवों, ब्लॉकों पर सामूहिक उपवास कर सकते हैं।

जेल में बिगड़ी सीएम केजरीवाल की तबीयत

दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तबीयत सही नहीं है। गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल का साढ़े चार किलो वजन कम हो चुका है। इसको लेकर डॉक्टरों ने चिंता जताई है।

संजय को जमानत जेल से बाहर आए

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को मामले में राहत देते हुए मंगलवार को कोर्ट ने जमानत दे दी। ईडी ने कहा था कि सिंह को मामले में जमानत देने से उसे कोई आपत्ति नहीं है। वहीं निचली अदालत ने शर्तें निर्धारित कर दी है। ईडी को बता कर ही एनसीआर दिल्ली से बाहर जा सकते हैं।

सपा-कांग्रेस ने बीजेपी को हराने का लिया संकल्प

रोजा इफ्तार में कांग्रेस दफ्तर पहुंचे सपा नेता, नहीं पहुंचे अखिलेश

» दोनों दलों ने समन्वय बनाने की रणनीति पर चर्चा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में आयोजित रोजा इफ्तार में सपा नेता शिरकत करने पहुंचे। सपा के रणनीतिकारों में शामिल पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी, पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह और एमएलसी जासमीर अंसारी ने कांग्रेस नेताओं के साथ रोजा इफ्तार किया। सपा और कांग्रेस नेताओं ने एकजुटता का संदेश दिया। भाजपा को हराने और सभी सीटों पर चुनाव जीतने का संकल्प दोहराया। कांग्रेस की ओर से सोमवार को होली मिलन समारोह और मंगलवार को रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखा। दोनों कार्यक्रमों में शिरकत करने की अपील की।

होली मिलन समारोह में सपा अध्यक्ष ही नहीं बल्कि पार्टी का कोई भी नेता नहीं पहुंचा। इसे लेकर कांग्रेस नेताओं ने दबी जुबान से प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि दोनों दल के नेता होली मिलन समारोह के जरिए एक जगह पर बैठकर कार्यकर्ताओं के बीच एकजुटता का संदेश दे सकते थे। लखनऊ से निकलने वाला यह संदेश बूथ तक के कार्यकर्ताओं को ताकत देता। मंगलवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कन्नौज गए थे। ऐसे में कांग्रेस कार्यालय में आयोजित रोजा इफ्तार में अखिलेश यादव के साथ हमेशा परछाई की तरह मौजूद रहने वाले पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। उनके साथ पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह और एमएलसी जासमीर अंसारी सहित अन्य नेता भी मौजूद थे। दोनों पार्टियों के नेताओं ने रोजा इफ्तार किया। एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। दोनों दलों के पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के बीच बूथ स्तर पर समन्वय बनाने की रणनीति पर भी चर्चा की। इससे पहले कांग्रेस कार्यालय आने पर पार्टी के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय, राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, अल्पसंख्यक कमेटी के राष्ट्रीय समन्वय समिति के सदस्य शमीम खान, अल्पसंख्यक कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज खान आदि ने सपा नेताओं का स्वागत किया।

भाईचारा मजबूत करना हमारा पहला एजेंडा : चौधरी

पूर्व मंत्री एवं मुख्य प्रवक्ता सपा राजेंद्र चौधरी ने हि कि सपा-कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। भाईचारा मजबूत करना हमारा पहला एजेंडा है। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन भाजपा को सभी 80 सीटों पर हराएगा। रोजा इफ्तार में दुआ की गई है कि उत्तर प्रदेश में धर्म निरपेक्षत ताकतें मजबूत हों। अमन चैन कायम रहे। वहीं समाजवादी पार्टी के सचिव चौधरी मोहम्मद मोहसिन ने रोजा इफ्तार का आयोजन किया। लखनऊ के एक होटल में आयोजित इफ्तार में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, मौलाना सुफियान निजामी, पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप, अब्दुल अजीज, पूर्व आईपीएस वसीम अहमद, फैसल खान, राजेन्द्र चौधरी, एमएलसी जासमीन अंसारी, डॉ. अब्दुल अजीज शामिल हुए। इफ्तार के बाद मगरिब की नमाज मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने अदा कराई। नमाज के बाद मुल्क में अमन व खुशहाली की दुआ मांगी गई।

देश में अमन-चैन की दुआ : अजय

प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस अजय राय ने कहा कि हम सभी मिलकर अमन-चैन की दुआ करते हैं। गौरतलब हो कि पार्टी ने होली मिलन के बाद रोजा इफ्तार किया है। कांग्रेस व सपा नेताओं को आमंत्रित किया था। व्यस्तता की वजह से वे कल नहीं आ पाए। आज आए हैं। उनका स्वागत करते हैं।

सपा मुखिया से मिले महान दल के अध्यक्ष केशवदेव

महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशवदेव मौर्य ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। नए सिरे से गठबंधन पर बातचीत की और लोकसभा में दो सीटें मांगी। हालांकि अभी सपा ने सिर्फ आश्वासन दिया है। बता दें कि विधानसभा चुनाव-2022 में सपा के साथ महान दल भी गठबंधन में शामिल था। महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशवदेव मौर्य की पत्नी सुमन को फर्रुखाबाद सदर और बेटे चंद्रप्रकाश को बिल्सी से टिकट मिला था लेकिन दोनों हार गए थे।

भाजपा सरकारें झूठ के गर्भ से पैदा हुईं : हरीश रावत

बोले- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सतर्क रहें कांग्रेस कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डर है। खुद कांग्रेस के दिग्गज और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने भाजपा के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर आगाह किया है। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा सरकारें झूठ के गर्भ से पैदा हुई हैं। 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने झूठ का प्रचारित कर जीत हासिल की है। हरीश को आशंका है कि चुनाव के समय भाजपा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडिटिंग के माध्यम से कांग्रेस नेता या कार्यकर्ता को ऐसा बोलता हुआ दिखाए, जिससे मतदाता फिर से भ्रमित हो जाए। इसके लिए कार्यकर्ताओं को सावधान रहना होगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दुरुपयोग कर भाजपा फिर से कांग्रेस को शिकस्त देने का प्रयास कर सकती हैं। कहा, रमेश पोखरियाल निशंक व तीरथ सिंह रावत का एक लंबा राजनीतिक जीवन रहा है। लेकिन इसके बावजूद भाजपा ने हरिद्वार व पौड़ी से उम्मीदवार नहीं बनाया।

जजपा कांग्रेस साथ लड़े तो कर देंगे भाजपा का सूपड़ा साफ : कादियान

जन नायक जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र कादियान ने कहा कि कांग्रेस को गठबंधन करने का ऑफर भी दिया है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस उनके साथ लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ती है तो भाजपा का प्रदेश में सूपड़ा साफ हो जाएगा। जजपा बस हिसार व भिवानी की सीट चाहती है। कादियान ने कहा कि नवरात्र में जेजेपी की लिस्ट आएगी, जिसमें सभी 10 सीटों पर मजबूत प्रत्याशियों के नाम की घोषणा होगी। हिसार सीट पर चौटाला परिवार से ही कोई न कोई सदस्य उतारा जाएगा। बहुत अच्छा हुआ कि भाजपा से गठबंधन टूट गया है। क्योंकि किसान, ग्रामीण आंचल का मतदाता हमसे और हमारे इस गठबंधन से नाराज था।

ईवीएम पर्ची मामले में नोटिस लोकतंत्र में शुभ संदेश : प्रमोद तिवारी

» बोले- कोर्ट का आदेश विपक्ष के दावे को बल देता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ईवीएम की पर्चियों की गिनती कराने के संबंध में नोटिस जारी करने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र में शुभ संदेश है। सर्वोच्च न्यायालय ने वोटों की गिनती के दौरान ईवीएम के साथ वीवीपैट पर्चियों की भी गिनती के लिए दायर याचिका को गंभीरता से लिया है।

निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि इससे ईवीएम के मुद्दे पर विपक्ष की ओर से उठाए गए सवाल को बल मिलता है। वीवीपैट पर्चियों का शत प्रतिशत मिलान कराया जाना चाहिए। राज्यसभा सदस्य तिवारी ने दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी द्वारा किए गए इस खुलासे को भी गंभीर बताया है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर स्वयं तथा आम आदमी पार्टी के चार नेताओं को भाजपा में शामिल होने का अनुचित दबाव बनाए जाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के इशारे पर एक नहीं दो-दो मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी का अलोकतांत्रिक हथकंडा अपनाया गया है। ऐसे में संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन तैयार है।

अयोध्या के कई कांग्रेसी भाजपा में शामिल

भाजपा के राजधानी स्थित अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्यालय में मंगलवार को कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के प्रदेश उपाध्यक्ष दीप चंद्र चौहान सहित अयोध्या जिले से आए सैकड़ों लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इनमें अयोध्या कांग्रेस संगठन के कई स्थानीय पदाधिकारी भी शामिल हैं। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र ने सभी नए सदस्यों को पार्टी की सदस्यता दिलाते हुए लोकसभा चुनाव में जुटकर भाजपा को जिताने का आह्वान किया। इस मौके पर भाजपा में शामिल हुए नेताओं ने कहा कि वे मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, अन्त्योदय, राष्ट्रवाद और 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भगवान श्रीराम मंदिर के निर्माण से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

जनता का आशीर्वाद लेकर लड़ूंगी चुनाव : रोहिणी आचार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य हली बार जनता के बीच पहुंची। राजनीति में अपनी औपचारिक लांचिंग पर रोहिणी आचार्य ने कहा कि भगवान का आशीर्वाद ले लिया, अपने जन्मदाता माता-पिता के साथ सास-ससुर का आशीर्वाद लेकर अब अपनी जनता के बीच जा रही हूं। किडनी दान कर पिता लालू प्रसाद यादव को जीवनदान देने वाली रोहिणी आचार्य को इस बार राजद सारण लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बना रहा है।

पिछले साल लालू प्रसाद बुरी तरह बीमार पड़े तो उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत आन पड़ी। रोहिणी आचार्य ने अपने पास सिंगापुर बुलाकर पिता लालू यादव को अपनी एक किडनी दी। यह जीवनदान मिलने के बाद लालू ने पहली बार जब वर्चुअल मोड में सीमांचल के लोगों से बात की तो रोहिणी आचार्य का नाम लिया। उसके बाद से ही ऐसा लग रहा था कि रोहिणी राजनीति में आ सकती हैं। मार्च में जब गांधी मैदान में लालू प्रसाद ने बाकायदा रैली के मंच से रोहिणी आचार्य के योगदान को याद किया तो यह पक्का हो गया कि उन्हें इस लोकसभा चुनाव में मौका मिलेगा। अब सारण में उनका नाम पक्का हो गया है।

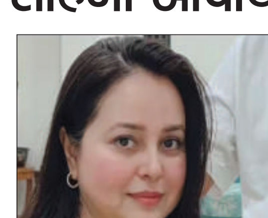

चुनाव आते ही हवा में तैरने लगे बयान

कांग्रेस व बीजेपी ने अपने नेताओं पर लगाई लगाम

- » सत्ता व विपक्ष में एक दूसरे पर वार-पलटवार
- » महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी शर्मनाक
- » पूरे देश में अनर्गल बयानों की बाढ़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आने वाले हैं। नामांकन अपने जोरों पर है। रैलियां व जनसभाएं अपने शबाब पर आने लगी हैं। इन सब गहमागहमी के बीच नेताओं के बोल भी बिगड़ने लगें हैं। नेता अब भाषा की मर्यादा भूलने लगे हैं। क्या सत्ता में बैठी पार्टी हो या विपक्ष में संघर्ष कर रही पार्टी सभी एक दूसरे पर अभद्र टिप्पणी करने से नहीं चूक रहे हैं। बीजेपी कांग्रेस को गाली दे रही है तो कांग्रेस बीजपी को भलाबुरा कह रही है। हद तो तब हो जा रही है कि जब बड़े नेता महिलाओं पर अनर्गल टिप्पणी कर रह हैं। हालांकि इन सब बातों का संज्ञान लेकर चुनाव आयोग कड़ी कार्रवाई करता है पर इस सबके बावजूद ये टिप्पणियां व बयान शांत नहीं होते हैं।

अब तो ऐसा लगता है ये बयान खत्म नहीं होंगे। अभी हाल ही में हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनोट और मंडी पर कांग्रेस की सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत व गुजरात कांग्रेस के किसान राज्य संयुक्त समन्वयक एच एस अहीर की आपत्तिजनक पोस्ट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भारतीय राजनीति में महिलाओं के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी या बयानबाजी कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब एक सम्भ्रांत महिला दूसरी प्रतिस्पर्धी महिला पर कीचड़ उछाले, अनैतिक कटाक्ष करे...तो किसी का भी चिंतित होना लाजिमी है। सवाल है कि महिलाओं के विरुद्ध अक्सर होने वाली ऐसी अनर्गल टिप्पणी से आखिर कैसे निजात मिलेगी?

हाल ही में हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनोट और मंडी पर कांग्रेस की सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत व गुजरात कांग्रेस के किसान राज्य संयुक्त समन्वयक एच एस अहीर की आपत्तिजनक पोस्ट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अब तो राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इसे महिला सम्मान के विरुद्ध बताया और चुनाव आयोग से शिकायत कर तत्काल कार्रवाई की मांग की। वहीं, हिमाचल प्रदेश भाजपा ने भी चुनाव आयोग से शिकायत की है कि यह अपमानजनक टिप्पणी है, जो इंटरनेट मीडिया पोस्ट के रूप में प्रसारित की गई है। यह किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली पोस्ट है। यही नहीं, यह आदर्श आचार संहिता के अनिवार्य दिशानिर्देशों का भी उल्लंघन है। यह सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के साथ भारतीय दंड संहिता के तहत भी अपराध के दायरे में आती हैं। इनकी टिप्पणियां लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत परिभाषित भ्रष्ट आचरण की परिभाषा के अंतर्गत आती हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने इसे देवभूमि हिमाचल का अपमान बताते हुए कहा कि सुप्रिया श्रीनेत की टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है।

बयानों की चारों ओर तीखी आलोचना

सुप्रिया श्रीनेत वाले मामले पर भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि अगर आपके (सुप्रिया श्रीनेत) अकाउंट से वही पोस्ट होती है जो पैरोडी अकाउंट पर पोस्ट होती है तो इसका मतलब है कि दोनों अकाउंट के एडमिन एक ही हैं। वहीं, तजिंदर बग्गा ने कहा है कि इस पोस्ट से कांग्रेस का महिला विरोधी चेहरा बेनकाब हुआ है। सुप्रिया श्रीनेत ने कांग्रेस का नेहरूवादी चेहरा दिखाया है। वहीं, शहजाद पूनावाला ने भी सुप्रिया श्रीनेत के पोस्ट को शर्मनाक बताया और कहा कि यह घिनौनेपन से भी आगे है। क्या मल्लिकार्जुन खरगे सुप्रिया श्रीनेत को हटाएंगे? हाथरस वाली लॉबी अब कहाँ है?वहीं, राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक पोस्ट में कहा, आयोग सुप्रिया श्रीनेत और एचएस अहीर के अपमानजनक आचरण से स्तब्ध है, जिन्होंने इंटरनेट मीडिया पर कंगना के बारे में अभद्र व अपमानजनक टिप्पणी की। ऐसा व्यवहार असहनीय व महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध है। लेकिन सवाल यह है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भाजपा नेता दिलीप घोष की टिप्पणियों के खिलाफ उसका स्टैंड क्या है? खुद कंगना रनौत का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें कंगना रनौत बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर को सॉफ्ट पोर्न स्टार कहती हुई सुनी जा रहीं हैं। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि जिस समाज में इस फूहड़ता की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, तो फिर भाजपा और कंगना सेलेक्टिव क्यों हैं? समय रहते ही स्पष्ट कर दें, तो बेहतर रहेगा।

गड़े मुद्दे उखाड़ भटकाना चाहती है भाजपा : पी चिदंबरम

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दावा किया कि द्वीप मुद्दे को उठाकर, पीएम मोदी ध्यान भटकाने वाली रणनीति अपना रहे हैं। कांग्रेस के दिग्गज नेता पी चिदंबरम ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री उस मुद्दे को क्यों उठा रहे हैं जो 1974 में सुलझा लिया गया था। कच्चाथीवू द्वीप विवाद को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी द्रमुक के खिलाफ नरेंद्र मोदी के हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने दावा किया कि चीन भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर रहा है, लेकिन प्रधान मंत्री ने शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले देश को क्लीन चिट दे दी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दावा किया कि द्वीप मुद्दे को उठाकर, पीएम मोदी ध्यान भटकाने वाली रणनीति अपना रहे हैं। कांग्रेस के दिग्गज नेता पी चिदंबरम ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री उस मुद्दे को क्यों उठा रहे हैं जो 1974 में सुलझा लिया गया था।पी चिदम्बरम ने कहा कि प्रधानमंत्री उस मुद्दे को क्यों उठा रहे हैं जिसे 1974 में सुलझा लिया गया था? 1974 में लाखों तमिलों की मदद के लिए इंदिरा गांधी सरकार ने श्रीलंका से बातचीत की. कच्चाथीवू द्वीप को श्रीलंका का माना गया। बदले में 6 लाख तमिलों को भारत आने की अनुमति दी गई। यह मुद्दा 50 साल पहले बंद कर दिया गया था। उन्होंने 2020 में लद्दाख में भारत के गतिरोध का जिक्र करते हुए दावा किया कि चीनी सैनिक भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2,000 वर्ग किमी भारतीय क्षेत्र पर चीनी सैनिकों ने कब्जा कर लिया है। पीएम का कहना है कि भारतीय क्षेत्र में कोई चीनी सैनिक मौजूद नहीं है और भारतीय क्षेत्र का कोई भी हिस्सा चीनी सैनिकों के कब्जे में नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आपने चीन को क्लीन चिट दे दी। उन्हें इस बारे में बात करनी चाहिए कि 50 साल पहले क्या हुआ था, इसके बजाय पिछले 3 साल में क्या हुआ। चीन का कब्ज़ा आक्रामकता है, मैं प्रधानमंत्री से इस बारे में बोलने का अनुरोध करूंगा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के लोग उन लोगों से केवल तीन सवाल पूछना चाहते हैं, जो 10 साल तक कुंभकर्ण नींद में रहने के बाद चुनाव के लिए मछुआरों के प्रति अचानक प्रेम प्रदर्शित कर रहे हैं। केंद्र सरकार टीएन द्वारा कर के रूप में भुगतान किए गए 1 रुपये में से केवल 29 पैसे क्यों लौटाती है।

ममता पर टिप्पणी से बंगाल में टीएमसी का हल्लाबोल

दूसरी ओर बंगाल में भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद दिलीप घोष को एक वीडियो क्लिप में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पारिवारिक पृष्ठभूमि का मजाक उड़ाते हुए देखे जाने के बाद गत दिनों विवाद खड़ा हो गया। इस मामले में तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि दिलीप घोष की यह टिप्पणी भाजपा के डीएनए को दर्शाती है। साथ ही एक्स पर क्लिप साझा करते हुए पत्र लिखकर केंद्रीय चुनाव आयोग से इसकी शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। वहीं, आयोग ने बर्द्धमान-दुर्गापुर सीट से भाजपा उम्मीदवार घोष की टिप्पणी को लेकर जिलाधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। हालांकि, वायरल हुई इस वीडियो क्लिप की प्रामाणिकता की पुष्टि होनी अभी बाकी है। बता दें कि भाजपा की बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष को तृणमूल के चुनावी नारे बांग्ला निजेर मेयेके चाई (बंगाल अपनी बेटी चाहता है) का मजाक उड़ाते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने कहा, जब वह (ममता) त्रिपुरा जाती हैं तो कहती हैं कि वह त्रिपुरा की बेटी हैं। जब वह बंगाल में होती हैं तो कहती हैं कि बंगाल की बेटी हैं। इसलिए पहले उन्हें स्पष्ट करने दीजिए, उनके पिता कौन हैं? गौरतलब है कि मेदिनीपुर लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद घोष तृणमूल के 2021 के चुनाव नारे बांग्ला निजेर मेयेके चाई का जिक्र कर रहे थे। उनकी इस टिप्पणी पर बंगाल की महिला एवं बाल विकास मंत्री शशि पांजा ने कहा कि इस टिप्पणी पर उन्हें तुरंत माफी मांगनी चाहिए। वहीं, इस मुद्दे पर राष्ट्रीय महिला आयोग की खामोशी भी समझ से परे है।

सच्चाई छिपाने के लिए सरकार कर रही है बाजीगरी : जयराम

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार बेरोजगारी की सच्चाई को छिपाने के लिए आंकड़ों की बाजीगरी कर रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी दावा किया कि आज बेरोजगारी दर पिछले चार दशकों में सबसे अधिक है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हाल ही में एक केंद्रीय मंत्री ने आईएलओ (अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन) की रोजगार रिपोर्ट को भारत की गुलाम मानसिकता का लक्षण बताया। इसके बजाय, उन्होंने ईपीएफओ, ईएसआई और राष्ट्रीय पेंशन योजना के डेटाबेस के आधार पर वित्त वर्ष 2020 और वित्त वर्ष

2023 के बीच 5.2 करोड़ नई औपचारिक नौकरियों का बेतुका दावा किया। जैसा कि कई अर्थशास्त्रियों ने साबित किया है, वित्त वर्ष 2020-23 के बीच कुल रोजगार सृजन ज्यादा से ज्यादा 2.27 करोड़ हुआ है। तीन वर्षों में ये 2.27 करोड़ नौकरियां भी मोदी सरकार के प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरी देने के वादे से कोसों दूर है। लेकिन, अब ऐसा लगता है कि यह 2.27 करोड़ का आंकड़ा भी वास्तविकता से अधिक है। 2020 के उच्चतम न्यायालय के फ़ैसले के अनुसार ईपीएफओ को 20 से अधिक लोगों को रोज़गार देने वाले किसी भी प्रतिष्ठान में संविदा कर्मियों को शामिल करना आवश्यक है। रमेश ने दावा किया कि ईपीएफओ में वृद्धि का एक कारण अब इसके लिए आसान पंजीकरण भी है। उनका कहना है, ''बीस या अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठान ईपीएफ अधिनियम के दायरे में आते हैं। जो कंपनियां एक वर्ष में 19 से 20 कर्मचारियों को स्थानांतरित करती हैं, वे अचानक ईपीएफओ डेटा में 20 नई नौकरियों के रूप में दिखाई देंगी, भले ही नई नौकरी में सिर्फ़ एक ही इज़ाफ़ा हुआ हो।'' आरोप लगाया, ''बेरोज़गारी की सच्चाई को छिपाने के लिए वे आंकड़ों के साथ चाहे जितनी बाज़ीगरी करें, सच्चाई तो यही है कि आज बेरोज़गारी दर पिछले चार दशकों में सबसे अधिक है। हाल ही में एक केंद्रीय मंत्री ने ढ्ढरुह्र की रोज़गार रिपोर्ट को भारत की गुलाम मानसिकता का लक्षण बताया। ह्वह्वह्व

दरअसल, कंगना को लेकर पूरा विवाद तब खड़ा हुआ, जब मंडी सीट से भाजपा प्रत्याशी कंगना को लेकर कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेत के इंस्टाग्राम अकाउंट से अभिनेत्री की तस्वीर के साथ एक आपत्तिजनक पोस्ट की गई, जिसमें लिखा हुआ था कि क्या भाव चल रहा है मंडी में, कोई बताएगा? यह बात अलग है कि विवाद ब ?ते ही कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेत ने अपने पोस्ट को हटा दिया और सफाई दी कि उनके मेटा (इंस्टाग्राम व फेसबुक) अकाउंट का संचालन करने वाले किसी दूसरे व्यक्ति से यह गड़बड़ी हुई है। वह किसी महिला को लेकर ऐसी आपत्तिजनक पोस्ट के बारे में सोच भी नहीं सकतीं। वह उस पैरोडी अकाउंट के विरुद्ध कार्रवाई करेंगी, जो उनके नाम का इस्तेमाल कर रहा है।

बीजेपी पर भी चौतरफा वार

लोग पूछ रहे हैं कि बिलकिश बानो के दोषियों की रिहाई पर जिनका मुंह नहीं खुला, पहलवान बेटियों की दुर्दशा और दयनीय हालात पर जिनका मुंह नहीं खुला, मणिपुर की उस दुखद और अमानवीय घटना पर जिनका मुंह नहीं खुला, नेहा सिंह राठौर को मियां खलीफा से कंपेयर करने वालों पर जिनका मुंह नहीं खुला, वो अब कह रहे हैं कि सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत का अपमान किया है, जबकि सुप्रिया श्रीनेत ने पहले ही उस पोस्ट को डिलीट कर दिया है और बता भी दिया है कि यह उनकी सोशल मीडिया टीम की गलती थी। बावजूद इसके बीजेपी ने कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत को तुरंत बर्खास्त करने की मांग की है।

ज़िद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आप तो है बहाना, असल में कांग्रेस है निशाना...

> देश की सत्ताधारी भारती जनता पार्टी सियासी हमले न करके कानूनी दांव पेंच और सत्ता के पावर का दुरुपयोग करके विपक्ष को दबाने और उसको कमजोर करने का काम कर रही है। फिर वो चाहें मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के अकाउंट्स को सीज करके उनपर आर्थिक हमला करना होना हो। या फिर आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी पर सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल करके उसे कमजोर करना हो।

देश के अंदर लोकसभा चुनावों को लेकर सियासी हलचल तेज है। इस सियासी मौसम में सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी गोटियां सेट करने में लगे हैं। इस दरमियान चुनावी दांव-पेंच के बीच राजनीतिक दलों द्वारा कानूनी पैंतरेबाजी भी जारी है। देश की सत्ताधारी भारती जनता पार्टी सियासी हमले न करके कानूनी दांव पेंच और सत्ता के पावर का दुरुपयोग करके विपक्ष को दबाने और उसको कमजोर करने का काम कर रही है। फिर वो चाहें मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के अकाउंट्स को सीज करके उनपर आर्थिक हमला करना होना हो। या फिर आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी पर सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल करके उसे कमजोर करना हो। जिस तरह से पिछले कुछ वक्त से मोदी सरकार आप के पीछे पड़ी है और उसके नेताओं को एक-एक करके ईडी की रडार पर लिया जा रहा है, उससे ये साबित होता है कि भाजपा खुद चाहती है कि आम आदमी पार्टी लगातार चर्चा में बनी रहे। दोनों के बीच चूहे-बिल्ली का खेल जारी है। दरअसल, इसके पीछे बीजेपी की एक सोची-समझी रणनीति है। बीजेपी ये जानती है कि आम आदमी पार्टी दो-चार राज्यों को छोड़कर अन्य राज्यों में उतनी ताकतवर नहीं है।

दूसरे आम आदमी पार्टी को लगातार परेशान करके और उनको चर्चा में रखकर भाजपा कहीं न कहीं मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस व उसके मुद्दों को दबाना चाहती है। इसीलिए कांग्रेस के खातों को सीज कराकर पहले उसे आर्थिक रूप से अपंग करने का प्रयास किया गया। ताकि कांग्रेस चुनाव के दौरान ढंग से प्रचार-प्रसार भी न कर सके। इसके बाद जब कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाना शुरू किया और मोदी सरकार पर हमला शुरू किया। तो कांग्रेस की आवाज को व उसके मुद्दे को दबाने के लिए और महौल को बदलने के लिए तुरंत ही सीएम केजरीवाल को गिरफ्तार करवा दिया गया। जिससे की एक मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के बाद सारा फोकस केजरीवाल और आप पर चला जाएगा। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया का साथी होने के नाते विपक्ष भी इसी मुद्दे को गंभीरता से उठाएगा। जिससे साफ है कि कांग्रेस के अपने मुद्दे दब जाएंगे, क्योंकि सत्ता की चारण बनी बैठी मीडिया पर भी आम आदमी पार्टी और केजरीवाल ही दिखाए जाएंगे। केजरीवाल के गिरफ्तार होने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया, जिससे इस माहौल को और भी हवा मिले। तो वहीं तुरंत आप नेताओं को भाजपा में आने का ऑफर दिया जाने लगा। अब जब केजरीवाल की गिरफ्तारी होकर वो जेल चले गए, तो एक बार फिर आम आदमी पार्टी चर्चा में आ गई है राज्यसभा सांसद संजय सिंह को जमानत मिलने और उनके जेल से बाहर आने से। मतलब साफ है कि आप के कंधे पर बंदूक रखकर भाजपा मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की आवाज और उसके मुद्दों को चुनाव में दबाना चाहती है। ताकि कांग्रेस चुनाव के दौरान मुखर न हो सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

देश में समतामूलक हो विकास का तंत्र

सुरेश सेठ

पिछले दशक में भारत ने आर्थिक क्षेत्र में अभूतपूर्व तरक्की की है। दस वर्ष पहले भारत विश्व की दसवीं आर्थिक शक्ति था, आज पांचवीं हो गया। यह भी कहा जा रहा है कि दुनिया की चौथी औद्योगिक क्रांति का मूलाधार भारत होगा। इस विकास के साथ-साथ देश महामंदी से बच निकला है। उसकी आर्थिक विकास दर महाबली देशों के मुकाबले कहीं अधिक हो गई और हमारे विस्तृत बाजार की शक्ति देश में मांग की शक्ति बनकर न केवल घरेलू निवेश बल्कि विदेशी निवेश को भी अपनी ओर आकर्षित करने लगी। भारत दुनिया में चीन प्लस का विकल्प बनकर उभर रहा है। आज जहां देश में औद्योगीकरण और आधुनिकीकरण के बदलते तेवर नजर आ रहे हैं, वहां अंतरिक्ष क्षेत्र में भी उसकी और इसरो की उपलब्धियां इतनी स्पर्धायोग्य हैं कि वे केवल छोटे देशों ही नहीं, अमेरिका और रूस जैसे बड़े देशों के लिए भी एक और प्रकाशस्तम्भ बनकर उभर रहा है।

विश्व आर्थिक मंच और सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन (सी4आईआर) में भारत के समावेशी विकास का संज्ञान लेते हुए उसके बदलते चेहरे की पहचान करने के लिए कहा है। मंच का कहना है कि इसका आधार बना है पिछले दो वर्ष से भारत की बजट नीति में परिवर्तन और प्रत्यक्ष सार्वजनिक निवेश का बढ़ना। भारत की बड़ी उपलब्धि है कि हमने अंतरिक्ष क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और उसे एक व्यावसायिक तेवर दे दिया है। भारत का सार्वजनिक ही नहीं बल्कि निजी क्षेत्र भी कमाई के नये क्षितिज खुलते हुए पा रहा है। छोटे देशों का उपग्रह प्रक्षेपण सस्ती दरों पर कभी भी न हो पाता, अगर भारत इस दिशा में कदम न बढ़ाता। अभी जो इसरो के नये प्रयोग हुए हैं, उसमें यात्रियों को अंतरिक्ष तक ले जाना, पर्यटन करवाना और सुरक्षा के साथ वापस ले आना भी शामिल है। अब अगला लक्ष्य पर्यटकों को चांद तक ले जाना और उन्हें वापस लाना है। दूसरी बात, ये प्रयोग किफायती दर पर हो रहे हैं। ठीक समय पर अपने अंतरिक्ष और सौर ग्रह अभियानों में निजी क्षेत्र के लिए द्वार खोल देना भी भारत की दूरदर्शी नीति का परिचायक है।

दरअसल, इस समय भारत की सबसे बड़ी समस्या अंतर्राष्ट्रीय विनिमय क्षेत्र में अपनी मुद्रा के मूल्य को बढ़ाना और विदेशी मुद्रा की कमाई है। इस दिशा में हमने अपने प्रयास में धरती का विकास ही नहीं, अंतरिक्ष का व्यावसायीकरण भी शामिल कर लिया। इसके लिए नये अंतरिम बजट के बाद नई सरकार के जुलाई मास में आने वाले नये बजट में भी एक साझा बुनियादी ढांचा बनाने का संकल्प लिया गया है। देश में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा बनाया जा रहा है। इससे धरती और आकाश में उद्यमिता के मामले में तेजी आएगी। नई आर्थिक नीति को निर्धारित करने के लिए जो रोडमैप बनाया जा रहा है, वह समावेशी आर्थिक उन्नति का रोडमैप है। इसमें देश को आयात आधारित अर्थव्यवस्था से बदलकर निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यहां यह बता दिया जाए कि यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक हम पक्के कदमों से आगे नहीं बढ़ते। अगर आलम यह हो कि ऊर्जा के लिए कच्चे तेल का 85 प्रतिशत आयात करना पड़े और देश को अगर कृत्रिम मेधा, चिप, सेमीकंडक्टर युग और रोबोटिक्स में आगे बढ़ाना है तो उसके लिए विद्युत के भारी उत्पादन की आवश्यकता मुखर हो तो ऐसे माहौल में केवल अभूतपूर्व प्रगति के संकल्पों के ज्ञान से ही काम नहीं चलेगा। ऊर्जा का वैकल्पिक उत्पादन देशभर में सोलर ऊर्जा के साथ-साथ परम्परागत पेट्रोलियम ऊर्जा के नये कुओं की तलाश में भी आगे बढ़ना होगा। आयल एंड नैचुरल गैस कमिशन की इस दिशा में लगातार चुप्पी परेशान करती है। इसके साथ ही जहां तक देश के कृषि क्षेत्र का संबंध है, तो उसमें भी लघु और कुटीर उद्योगों का विकास ग्रामीण और कस्बाई अंचलों में करना पड़ेगा। आज भी भारत की 50 प्रतिशत आबादी वहां रहती है। सवाल यह भी कि देश की कुल राष्ट्रीय आय में कृषि क्षेत्र का योगदान घटते हुए 17 प्रतिशत क्यों हो गया है? इस योगदान को तभी बढ़ाया जा सकता है जबकि लघु और कुटीर उद्योगों में बढ़ता निवेश नौजवानों को न केवल उपयोगी रोजगार दे बल्कि फसलों से तैयार उत्पादों को नया रूप देकर बाजार में सीधा लाये। बीच के मध्यजनों का हस्तक्षेप बंद करके उत्पादक और उपभोक्ता में सीधा संबंध पैदा करें।

आखिरी बात, नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के सबसे असमतावादी देशों में भारत भी शामिल हो गया है। गरीब और अमीर की खाई बढ़ गई है। वो पुराना सूत्र आज भी सही लगता है कि यह अमीरों की धरती है, यहां गरीबों की बहुतायत का अंत नहीं। इस स्थिति को बदलना होगा। नीतियों को वंचित सापेक्ष तेवर देना होगा, तभी हम कह सकेंगे कि भारत का चेहरा बदल रहा है और लगातार उजला होता जा रहा है।

पूरे देश का मुद्दा है वांग्चुक का अनशन

राजेश रामचंद्रन

पैशन ऑफ जीसस क्राइस्ट सप्ताह तक मनाया गया है- उत्पत्ति के इतिहास में देखें तो पैशन शब्द का मूल लैटिन के पैशियो में है, जिसका अर्थ है कष्ट सहना। कष्ट और मौत को प्रार्थना सहित कबूलना, जिससे पुनर्जीवन और अमरत्व बनता हो, तमाम सभ्यताओं में इसका जिक्र है और बतौर आध्यात्मिक शुद्धीकरण इन कृत्यों की पुनर्स्थापना करने की रिवायत रही है। राजनीति में, इसको शहीदी पाने के रूप में दोहराया जाता है, विरोध जताने का परम तरीका। महात्मा गांधी का सत्याग्रह, कइयों के लिए, इस तपस्या का सफलतापूर्ण पुन:-प्रदर्शन था, जिसमें सबसे अधिक कष्ट खुद उन सत्याग्रहियों ने सहा, जो गुलामी की जंजीरों को तोड़कर आजादी की नई सुबह में चलने को तत्पर थे। पहले इस सप्ताह, लद्दाख के जाने-माने इनोवेटर, शिक्षाविद और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांग्चुक ने नाजुक हिमालय को बचाने के लिए रखे गए 21 दिन के अपने अनशन को पूरा किया। विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक एवं रीतिगत स्तरों पर इस उपवास का प्रतीकात्मक महत्व बहुत अधिक है। गांधीजी का भी सबसे लंबा अनशन 21 दिन चला था, और वांग्चुक केंद्रीय सरकार और इसकी नौकरशाही को झकझोरने के लिए आत्म-शक्ति के जरिये प्रतिरोध के तरीके से इस मानक को पाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर धरने पर बैठे थे। उनकी मांगों को गहराई से पढ़ने की जरूरत है, खासकर संसद में 'प्रकृति नुमाइंदे' होने वाली। सुनने में यह भले अटपटी लगे लेकिन 'प्रकृति नुमाइंदे' का अर्थ बहुत गहरा है। 60000 वर्ग कि. मी. वाले लद्दाख इलाके के लिए महज एक सांसद है, जाहिर है उसकी आवाज कोई मायने नहीं रखती। पांच अगस्त, 2019 को जम्मू और कश्मीर संभाग से अलग किए जाने के बाद से लद्दाख का शासन नौकरशाह चला रहे हैं। भाजपा ने अपने 2019 के चुनावी घोषणापत्र में वादा किया था कि इस केंद्र शासित क्षेत्र को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाएगा, लेकिन यह वादा खोखला निकला। भारतीय राष्ट्र की मुकुट धरा में लोकतांत्रिक शून्यता कायम है, यह स्थिति अफसोसनाक और खतरनाक, दोनों है।

माइनेस 12 डिग्री सेंटीग्रेड में खुले आसमान के तले, 300 अन्य सत्याग्रहियों के साथ उपवास और रहना-सोना करके वांग्चुक ने अपने ऊपर बहुत कष्ट झेला है ताकि बाकी की दुनिया देख सके कि लद्दाख में सरकार ने विकास का जो रास्ता अख्तियार किया है, उनमें स्थानीय लोगों की भागीदारी नदारद है। यह स्थान वैश्विक चर्चा का बिंदु भी है। दुनिया में आणविक हथियारों से लैस दो सबसे बड़ी सेनाओं के जवान आज इस सीमा पर आंखों में आंखें डाले आमने-सामने की स्थिति में हैं। तिस पर यह बेहद शीतलतम स्थान नाजुक बने पर्यावरण और ग्लेशियरों की स्थिति से मौसमीय पारिस्थितिकी बिंदु पर है, जिसे हर हाल में आने वाले समय में बचाकर रखना होगा। लद्दाख में राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए लड़ाई सत्ता में हिस्सेदारी के लालच में न होकर इस शीत मरुस्थल को बचाने और चीनी मंसूबों के विरुद्ध सुरक्षा की पहली पंक्ति बने रहने वाले लद्दाखियों के मन में घर कर गए भय का निदान करने के वास्ते है।

इसलिए वांग्चुक का सत्याग्रह एक राष्ट्रीय मुद्दा है। उनकी मांगों में, लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची के अंतर्गत केंद्रशासित प्रदेश का सुरक्षा आवरण पाना शामिल है। अनुसूची के अंतर्गत आने पर जाहिर है राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में लिए फैसलों पर तेजी से क्रियान्वयन की राह में जिला और क्षेत्रीय परिषदें बाधाएं बन सकती हैं। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि लद्दाख औद्योगिक भूमि आवंटन नीति 2023 में स्थानीय लोगों को पूरी तरह नजरअंदाज किया जाए, जिसको बनाते वक्त महत्वपूर्ण कमेटियों में स्थानीय लोगों का अर्थपूर्ण प्रतिनिधत्व न रखकर, भूमि आवंटन करने में एकल खिड़की प्रावधान बना डाला है। कहने को तो जिला, विभाग और राज्य स्तर पर तीन एकल खिड़की अनुमति कमेटियां बनाई गई हैं लेकिन यह व्यवस्था न तो स्थानीय लोगों के मन में विश्वास जगाती है और न ही उनकी चिंताओं का निवारण करती है। जाहिर है वांग्चुक की मुम्बई, दिल्ली के लोगों से सरल जीवन जीने और प्रकृति का अत्यधिक दोहन न करने वाली अपील उन्हें रूमानी लगेगी। हॉलीवुड फिल्म 'वॉल स्ट्रीट' में अभिनेता माइकेल डगलस द्वारा निभाया गॉर्डन गीको का पात्र कहता है 'लालच अच्छा है', आज जिसे हम विकास मान रहे हैं, यह उसका मूलमंत्र बना हुआ है। लेकिन वांग्चुक चाहते हैं कि हम ग्लेशियरों, वादियों, पहाड़ों, चरागाहों और उस जीवनशैली को निहारते हुए इस मंत्र पर पुनर्विचार करें, जो निवेश, आप्रवासी कर्मियों और नए मालिकों की आमद से आजिज आ गयी है। संक्षेप में, क्या सीमा पर नए गांव बसाकर भारत चीन के बुनियादी ढांचा विकास मॉडल का अनुसरण करना चाहता है।

भारत की क्षेत्रीय संप्रभुता और चीन के साथ अपनी सीमाओं की सुरक्षा से नि:संदेह कोई समझौता नहीं हो सकता, लेकिन स्थानीय जनता की संवेदनाओं की कद्र करने की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भी यही बात लागू है। यह ठीक है कि भारत लद्दाखियों के साथ वह नहीं करेगा जो चीन ने तिब्बतियों के साथ किया है। लेकिन यह आश्वासन केंद्र सरकार के उच्चतम स्तर पर दिए जाने की जरूरत है न कि वांग्चुक को विरोध करने का एक और दौर चलाने का मौका देकर, वर्ना इससे स्थानीय लोगों में आशंका और अशांति घर करेगी। वहां के स्थानीय लोग बाहरी लोगों के प्रति अति-संवेदनशील है, यहां तक कि बेलगाम पर्यटन पर भी। तथ्य यह है कि इस बाबत उनकी और देश के सबसे दक्षिणी बिंदु की कहानी का संदर्भ एक समान है।

अंगूर खाने से शरीर रहता है हाइड्रेट

अंगूर आपके स्वाद के लिए ही नहीं, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी अत्यंत फायदेमंद हैं। यह पोषक तत्वो का घर माना जाता है। अंगूर फाइबर, प्रोटीन, तांबा, पोटेशियम, लौह, फोलेट और विटामिन सी, ए, के और बी 2 का एक प्रचुर स्त्रोत हैं। इसमें उत्तम एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और रोगाणुरोधी गुणों के साथ-साथ, फिनोल और पोलीफेनॉल्स भी अधिक मात्रा में पाया जाता है। गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है। इस मौसम में शरीर को हाइड्रेट और स्वस्थ रखना बेहद जरूरी होता है, इसलिए गर्मियों में फल-सब्जी खाने की सलाह दी जाती है। अंगूर भी एक ऐसा ही फल है, जो न सिर्फ आपको हाइड्रेट रखता है, बल्कि यह शरीर को कई बीमारियों से भी बचाता है। अगर आप इसका नियमित सेवन करें तो यह कोलेस्ट्रॉल से लेकर, ब्लड प्रेशर, शुगर, कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों से भी हमारा बचाव हो सकता है।

अंगूर इन रंग में भी बाजार में उपलब्ध हैं - बैंगनी, लाल, काले, गहरे नीले, पीले, हरे, नारंगी और गुलाबी।

हार्ट अटैक से बचाए

हार्ट-अटैक से बचने के लिए काले अंगूर का रस एसप्रिन की गोली के समान कारगर है। एसप्रिन खून के थक्के नहीं बनने देती है। काले अंगूर के रस में फ्लेवोनाइड्स नामक तत्व होता है और यह भी यही कार्य करता है। यह खून के थक्के को नहीं जमने देता।

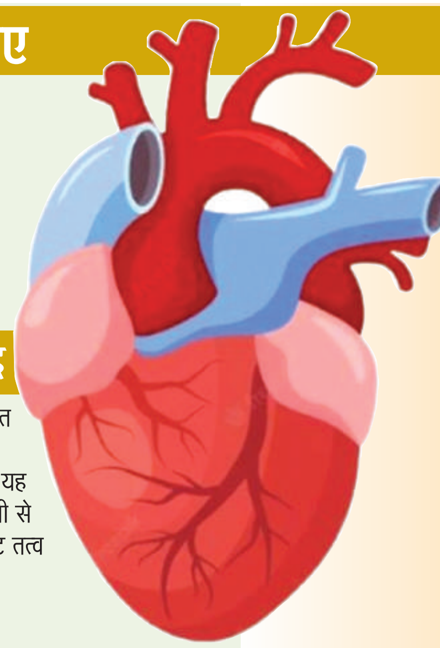

कोलेस्ट्रॉल में फायदेमंद

अगर आप कोलेस्ट्रॉल की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको रोजाना अंगूर का सेवन करना चाहिए। 500 ग्राम लाल अंगूर रोजाना खाने से यह आपके बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने का काम तेजी से कर सकता है। यही नहीं, अंगूर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व भी कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद कर सकता है।

ब्लड क्लॉटिंग की समस्या दूर करे

हेल्थलाइन में छपी एक खबर के मुताबिक, अंगूर में विटामिन च और कॉपर पाया जाता है, जो ब्लड क्लॉटिंग की समस्या को दूर करने के साथ साथ एनर्जी बढ़ाने का काम भी करता है। यह हमारे बोन्स को भी मजबूत बनाता है। इसके अलावा, इसमें फाइबर, विटामिन बी 6, पोटैशियम, विटामिन सी, मैगनीज जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं, जो शरीर को हेल्दी रखने में मदद करते हैं।

आंखों के लिए फायदेमंद

अंगूर आंखों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। अंगूर में बहुत अधिक मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स के नुकसान और सेल्स डैमेज को हील करने में काफी फायदेमंद होता है। बता दें कि फ्री रेडिकल्स की वजह से कैंसर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज आदि की संभावना बढ़ जाती है। यह स्किन से लेकर बालों और आंखों के लिए भी फायदेमंद होता है। इस तरह आप अपने डाइट में अंगूर को जरूर शामिल करें।

मेमोरी अच्छी होती है

अगर आप रोजाना 250 ग्राम अंगूर का सेवन करते हैं तो इससे आपकी मेमोरी अच्छी होती है। यह ब्रेन हेल्थ को बूस्ट करता है। यह आपका मूड भी अच्छा रहता है और आप अल्जाइमर जैसी बीमारियों से बचे रहते हैं। इसके अलावा ये आपको फंगल इंफेक्शन और बैक्टीरिया से बचाने में भी मदद करता है।

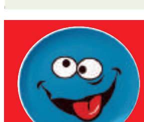

हंसना मना है

वाईफ: जानू हम ना.. मंडे .. शॉपिंग, ट्यूसडे .. होटल, वेडनेसडे .. आउटिंग, थर्सडे .. डिनर, फ्राइडे .. मूवी, सैटरडे .. पिकनिक जायेंगे। जानू कितना मजा आएगा ना। हसबंड: येस, और संडे मंदिर.. वाइफ: क्यों..? हसबैंड: भीख मांगने।

अमीर आदमी: आज मेरे पास 14 कार, 18 बाइक्स, 4 बंगले, 3 फार्महाउस है, तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी: मेरे पास बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

डॉक्टर- तुम्हारी नब्ज तो ठीक चल रही है, बिल्कुल घड़ी की तरह, लड़की- अरे नहीं, आपने गलती से नब्ज की जगह मेरी घड़ी पर हाथ रख दिया है।

प्यार को मत छुपाओ उसे जरुरत है, जताने की, अपनी प्रतिभाओं को मत छुपाओ उन्हें जरुरत है बढ़ाने की, अब और परफ्यूम मत लगाओ तुम्हे जरुरत है नहाने की।

तु चांद मांग मैं चांद दे दूं, तु रात मांग मैं रात दे दूं, तु दिल मांग मैं दिल दे दूं, तु प्यार मांग, क्या यार, भीक मांगने की भी एक लिमिट होती है।

तुम क्या जानो गम क्या होता है? तुम क्या जानो गम किसे कहते है? तुम क्या जानो गम क्या चीज होती है? तुमने तो हमेशा फेवीकोल यूज किया है!

कहानी | मूर्ख बकरी

एक जंगल में दो बकरियां रहती थीं। वो दोनों जंगल के अलग हिस्सों में घास खाती थीं। उस जंगल में एक नदी भी बहती थी, जिसके बीच में एक बहुत ही कम चौड़ा पुल था। इस पुल से एक समय में केवल एक ही जानवर गुजर सकता था। इन दोनों बकरियों के साथ भी एक दिन कुछ ऐसा ही हुआ। एक दिन घास चरते-चरते दोनों बकरियां नदी तक आ पहुंची। ये दोनों नदी पार करके जंगल के दूसरे हिस्से में जाना चाहती थीं। अब एक ही समय पर दोनों बकरियां नदी के पुल पर थीं। पुल की चौड़ाई कम होने के कारण इस पुल से केवल एक ही बकरी एक बार में गुजर सकती थी, लेकिन दोनों में से कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं था। इस पर एक बकरी ने कहा कि सुनो, मुझे पहले जाने दो, तुम मेरे बाद पुल पार कर लेना।' वहीं, दूसरी बकरी ने जवाब दिया, 'नहीं, पहले मुझे पुल पार करने दो, उसके बाद तुम पुल पार कर लेना।' यह बोलते-बोलते दोनों बकरियां पुल के बीच तक जा पहुंची। दोनों एक दूसरे की बात से सहमत नहीं थीं। अब बकरियों के बीच तू-तू मैं-मैं शुरू हो गई। पहली बकरी ने कहा कि पहले पुल पर मैं आई थी, इसलिए पहले मैं पुल को पार करूंगी।' तब दूसरी बकरी ने भी तुरंत जवाब दिया, 'नहीं, पहले मैं पुल पर आई थी, इसलिए पहले मैं पुल पार करूंगी।' यह झगड़ा बढ़ता चलता जा रहा था। इन दोनों बकरियों को बिल्कुल भी याद नहीं रहा कि वह कितने कम चौड़े पुल पर खड़ी हैं। दोनों बकरियां लड़ते-लड़ते अचानक से नदी में गिर गईं। नदी बहुत गहरी थी और उसका बहाव भी तेज था, जिस कारण दोनों बकरियां उस नदी में बहकर मर गईं।

कहानी से सीख- झगड़े से कभी किसी समस्या का हल नहीं निकलता, उल्टा इससे सभी का नुकसान होता है। इसलिए, ऐसी अवस्था में शांत दिमाग से काम लेना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृषभ
स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें।

मिथुन
घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

कर्क
लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह
रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है।

कन्या
बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा।

तुला
सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक
उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु
यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे।

मकर
अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ
मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मीन
घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

आयोजक सिर्फ अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए करते हैं अवॉर्ड शोज इसलिए मैं नहीं जाता : अजय देवगन

अजय देवगन ने बेहतरीन फिल्मों से हमेशा ही दर्शकों का मनोरंजन किया है। अजय ने करियर की शुरुआत 1991 में रिलीज हुई फिल्म फूल और कांटे से की थी। पहली ही फिल्म से उन्होंने दर्शकों को अपना मुरीद बना लिया था। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर के बेस्ट डेब्यू मेल एक्टर के अवॉर्ड से नवाजा गया था। अजय देवगन उन कलाकारों में से एक हैं, जो हर तरह की भूमिका को खुद को शानदार तरीके से ढाल लेते हैं। जहां एक ओर अजय को दर्शकों ने हीरो के किरदार में खूब प्यार दिया है, वहीं विलेन की भूमिका निभाने से भी उन्होंने लोगों का दिल जीता। जब कॉमेडी फिल्में भी एक्टर की सुपरहिट रही हैं। अजय देवगन को 2 बार नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है, जिसे उन्होंने खुद रिसीव किया था। हालांकि एक्टर को वैसे कभी किसी फिल्मी अवॉर्ड शोज में नहीं देखा जाता है। दरअसल अजय देवगन को किसी अवॉर्ड फंक्शन्स पर भरोसा नहीं है। उनका मानना है कि आयोजक सिर्फ अपने इवेंट में सितारों का तांता लगाने के लिए और टीआरपी करने के लिए ही बॉलीवुड स्टार्स को एक साथ इक्ट्ठा करते हैं। अजय अपने कई इंटरव्यूज में खुलासा किया है कि वह कोई अवॉर्ड नहीं लेते हैं। उनका कहना है कि आयोजक केवल सितारों को जमा करने के लिए इवेंट करते हैं। वह फिल्मी सितारों को अवॉर्ड देने का लालच देते हुए उन्हें आमंत्रित करते हैं। ऐसे में आप वहां पहुंच ही जाते हैं। लेकिन अगर आप नहीं पहुंच पाते और तो आपका अवॉर्ड किसी और को दे दिया जाता है।

22 अप्रैल को रिलीज होगी प्रियंका चोपड़ा की टाइगर

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हाल ही में भारत से लौटकर यूएस पहुंचीं। अब वे अपने काम पर वापस आ चुकी हैं। अब अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपने नए प्रोजेक्ट की रिलीज डेट की घोषणा की, जिसका नाम टाइगर है। उन्होंने डिज्नी प्लस हॉटस्टार फिल्म में मुख्य किरदार अंबा नाम की बाघिन को अपनी आवाज दी है। प्रियंका ने यह भी बताया कि फिल्म भारत के जंगलों पर आधारित है।

प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए इसकी रिलीज डेट की घोषणा की। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, टाइगर एक ऐसी कहानी है, जो जंगल को पकड़ती है और उसके भीतर होने वाली हर चीज को सामने लाती है- प्यार, संघर्ष, भूख, अस्तित्व और बहुत कुछ की कहानियां। यह 22 अप्रैल को रिलीज होगी, जिसे विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

टाइगर आठ साल से बन रही थी। फिल्म के बारे में अधिक जानकारी साझा करते हुए प्रियंका ने कहा कि भारत के हलचल भरे जंगलों में, जहां बड़े और छोटे,

बॉलीवुड | मसाला

डरपोक और राजसी जीव घूमते हैं, वहां अंबा एक कालातीत विरासत वाली बाघिन है। वह अपने शावकों की इतने प्यार से देखभाल करती है कि मां और बच्चे के बीच का खूबसूरत रिश्ता बहुत ही शानदार ढंग से चमकता है।

प्रियंका चोपड़ा अब इसकी रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे इस अविश्वसनीय कहानी में अपनी आवाज देने और इस फिल्म के माध्यम से जंगलों की खोज करने में बहुत मजा आया। मैं आप सभी के साथ जंगल का आनंद लेने का इंतजार नहीं कर सकती। प्रियंका ने इससे पहले 2016 की फिल्म द जंगल बुक में अपनी आवाज दी थी, जिसमें शाहरुख खान, आर्यन खान, नाना पाटेकर, ओम पुरी और शेफाली शाह की आवाजें भी थीं।

प्रियंका चोपड़ा हाल ही में अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी जोनस के साथ भारत में थीं। वे दोस्तों और परिवार के साथ होली का त्योहार मनाने आए थे। उनके जश्न की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की गईं। तस्वीर में प्रियंका को मालती और उनके परिवार के सदस्य के साथ पोज देते हुए भी देखा गया था। इंटरनेट पर एक और वीडियो में प्रियंका और निक अपने घर की बालकनी पर मालती के साथ तस्वीरें क्लिक करवा रहे थे।

मृणाल के मुरीद हुए विजय

विजय देवरकोंडा की अगली फिल्म फैमिली स्टार रिलीज को तैयार है। अभिनेता जमकर इस फिल्म के प्रचार में जुटे हैं। इस दौरान वह अपनी फिल्म के साथ-साथ फैंस के सामने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी बातें भी साझा कर रहे हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू में विजय ने फिल्म में अपनी को-स्टार मृणाल ठाकुर की जमकर तारीफ की है और शूटिंग के दौरान कुछ दिलचस्प किस्सों का भी खुलासा किया है। विजय ने खुलासा किया कि निर्देशक परशुराम ने फिल्म में उनके प्रदर्शन में कैसे योगदान दिया। अभिनेता ने कहा, फिल्म के निर्देशक परशुराम का डायलॉग कहने का तरीका और खुद को प्रेजेंट करने का तरीका बहुत अनोखा है। मैं जानता हूं कि अभी

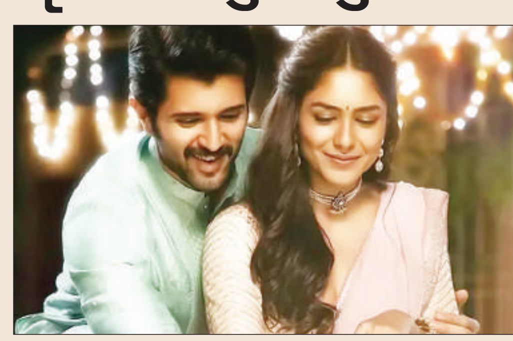

मुझे उनसे बहुत कुछ सीखना है। जैसे ही मैं गीता गोविंदम और फैमिली स्टार दोनों के सेट पर गया, मैंने उनसे डायलॉग बुलवाया और इसे कैद कर लिया और इसे अपने चेहरे और शरीर के साथ दोबारा प्रस्तुत किया।

सेट पर मृणाल के साथ काम करने के अपने अनुभव का खुलासा करते हुए विजय ने कहा, जब आपके साथ एक बुद्धिमान अभिनेत्री होती है, तो यह बहुत आसान होता है। मृणाल मेरे फिल्मों का सपना देखने से पहले से ही इंडस्ट्री में अभिनय कर रही हैं। वह छोटी उम्र से ही काम कर रही हैं। वह बहुत तेजी से चीजें उठाती है। मैं उनसे कहता रहता हूं कि उन्हें खूबसूरत चेहरे का वरदान मिला है। विजय ने आगे कहा, भले ही वह बहुत ज्यादा अभिनय न करें, लेकिन उनके एक्सप्रेशन से आप भावनाओं को महसूस कर सकते हैं। उसकी नाक, होंठ और आंखों का तालमेल ऐसा है कि स्क्रीन पर भावनाएं अच्छी तरह से सामने आती हैं।

अजब-गजब | गरासिया आदिवासी जनजाति की अजब शादी का है गजब रिवाज

शादी से पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहती है यह आदिवासी जनजाति

भारत देश को उसकी संस्कृति के लिए जाना जाता है। यहां हर राज्य में अलग-अलग रंग देखने को मिलते हैं। देश में कई तरह की जनजातियां रहती हैं और हर किसी का रहन-सहन एकदम अलग है। इनके रहने से लेकर विवाह तक के तरीके बिल्कुल अलग हैं। जहां कुछ जनजातियां खुद साथी चुनकर विवाह करती हैं, तो वहीं कुछ जनजातियां शादी के बगैर ही साथ रहना पसंद करती हैं। ऐसी ही एक जनजाति राजस्थान की गरासिया आदिवासी जनजाति है। ये शादी से पहले ही अपने साथी के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहती हैं। राजस्थान में पौराणिक परंपराओं का समागम कुछ ऐसा है, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटकों का आना लगा रहता है। ऐसी एक परंपरा जिसे देखने के लिए आसपास के स्थलों से पर्यटक भारी मात्रा में आबूरोड की तरफ आते हैं। यहां की परंपरा काफी अजीबोगरीब है। आज भी आबूरोड के बाहुल्य क्षेत्र गरासिया समुदाय में होली के बाद मेले का आयोजन होता है, जिसमें बरसों पुरानी परंपरा मनाई

जाती है। यहां लड़की, लड़के को पसंद करती है और परिवार वाले एक-दूसरे से आपसी रजामंदी के लिए दोनों सम्बंधी मुंह मीठा करके सम्बंधों में मिठास लाते हैं। आज भी आदिवासी समुदाय में होली के बाद इस स्वयंवर के मेले का आयोजन किया जाता है। इसमें लड़की, लड़के को पसंद करती है और वहां से निकलकर भाखर देवता का आशीर्वाद लेकर नक्की झील की परिक्रमा करती है और इसकी सूचना एक-दूसरे के परिवार को दी जाती है। फिर आपस में सम्बंधी एक-दूसरे को मनाने के लिए एक-दूसरे के घर पर जाते हैं और उनका मुंह मीठा करवाकर शादी के लिए राजी करते हैं।

राजस्थान की गरासिया आदिवासी जनजाति के शादी का तरीका औरों से एकदम अलग है। ये शादी से पहले ही अपने पार्टनर के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहते हैं। शादी से पहले ही वो एक-दूसरे के साथ रह सकते हैं। साथी को ढूंढने के लिए यहां हर साल मेला लगाया जाता है, जिसमें लड़कियां अपने पसंद के साथी के साथ भाग जाती हैं।

लंबी दूरी के लिए समुद्र के ऊपर से उड़ना पसंद करते हैं हवाई जहाज!

लोग हवाई जहाज से सफर तो करते हैं, लेकिन बहुत सारी बातें ऐसी हैं, जिनके बारे में पता नहीं होता। ये काफी इंट्रेस्टिंग फैक्ट्स होते हैं और हर किसी को इसके बारे में पता होना चाहिए। जैसे क्या आपको पता है कि हवाई जहाज समुद्र के ऊपर से उड़ना क्यों पसंद करते हैं? हिमालय पर्वत या प्रशांत महासागर के ऊपर से क्यों नहीं उड़ते? सोशल मीडिया मंच कोरा पर एक एविएशन एक्सपर्ट ने इसका जवाब दिया है। जो बेहद दिलचस्प है। जब भी लंबी फ्लाइट होती है तो उड़ान का रास्ता बदल दिया जाता है और उसे समुद्र के ऊपर ले जाया जाता है। आपकी सुरक्षा और विमान की दक्षता की वजह से ऐसा किया जाता है। विमान अक्सर ग्रेट सर्कल रास्ते से चलाए जाते हैं। देखने पर यह समतल नजर आता है। लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। यह ग्लोब पर दो बिंदुओं के बीच की सबसे छोटी दूरी होती है। जब आप हजारों मील की यात्रा कर रहे हों, तो ग्रेट सर्कल मार्ग चुनने से समय और ईंधन की बचत होती है। समुद्र के ऊपर से गुजरने से यह दूरी कम हो जाती है। एक और अहम बात है। समुद्र की सतह का तापमान एक होता है। समुद्र के ऊपर हवा भूमि की तुलना में कम अशांत होती है। इससे विमान के फंसने की संभावना काफी कम हो जाती है। तो अगली बार जब भी आप विमान से लंबी यात्रा करें तो जरूर देखें कि आप किसी समुद्र के नीचे सफर कर रहे हैं। यह एक सुंदर नजारा होगा। अब दूसरे सवाल का जवाब। हिमालय और प्रशांत महासागर के ऊपर से विमान इसलिए नहीं जाते, क्योंकि यह विमान के लिए खतरनाक हो सकता है। आमतौर पर कोई भी विमान हवा में 30 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ता है। हिमालय की चोटियां 20 हजार फीट ऊंची हैं। इसलिए अगर मौसम किसी तरह का बदलाव हुआ तो विमान के नीचे आने पर टकराने का खतरा रहेगा। दूसरा, यहां हवा की गति असामान्य रहती है। ऑक्सीजन की कमी की वजह से दिक्कत होती है। और सबसे अहम बात, इस इलाके में नेविगेशन न के बराबर होता है।

शर्मिला कडप्पा और तारिक कटिहार से ठोंकेंगे ताल

कांग्रेस ने टिकट दिया, 17 और प्रत्याशी घोषित किए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए 17 और उम्मीदवार घोषित किए जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री तारिक अनवर एवं एम एम पल्लम राजू तथा पार्टी की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला रेड्डी के नाम शामिल हैं। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की 11वीं सूची में आंध्र प्रदेश से पांच, बिहार से तीन, ओडिशा से आठ और पश्चिम बंगाल से एक उम्मीदवार का नाम शामिल है।

पार्टी ने बिहार के कटिहार से एक बार फिर अनवर को उम्मीदवार बनाया है। पिछले लोकसभा चुनाव में उन्हें जनता दल (यूनाइटेड) के उम्मीदवार दुलालचंद गोस्वामी ने पराजित किया था। एक बार फिर से उनका मुकाबला गोस्वामी से होगा। कांग्रेस ने बिहार की किशनगंज लोकसभा सीट से अपने मौजूदा सांसद मोहम्मद जावेद को टिकट दिया है। भागलपुर लोकसभा क्षेत्र से पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक अजीत शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस बिहार की कुल 40 लोकसभा सीटों में से नौ पर चुनाव लड़ रही हैअ वहीं, 26 सीट पर उसकी सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और पांच सीट पर वाम दल चुनाव लड़ रहे हैं। बिहार में गठबंधन के तहत कांग्रेस के हिस्से में नौ सीट– किशनगंज, कटिहार, पटना साहिब, भागलपुर, सासाराम, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, पश्चिम चंपारण और महाराजगंज आई हैं। पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री पल्लम राजू को आंध्र प्रदेश की काकीनाड़ा लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। शर्मिला रेड्डी को आंध्र प्रदेश के कडप्पा से उम्मीदवार बनाया गया है।

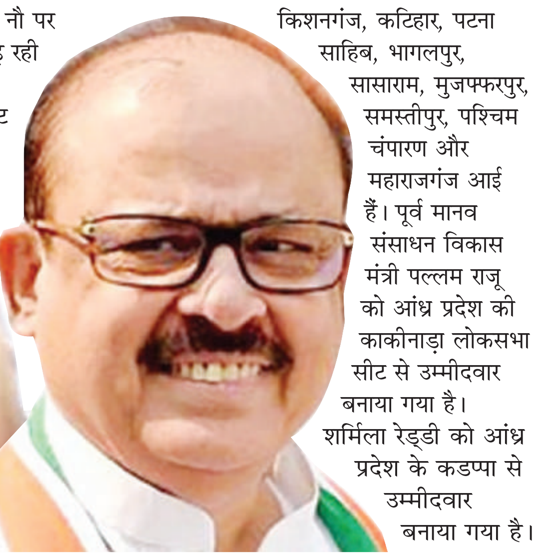

अनंतनाग-राजौरी से चुनाव लड़ेंगे गुलाम नबी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। उनकी पार्टी डीपीएपी ने यह घोषणा की। आजाद ने 2022 में कांग्रेस छोड़ दी थी। उन्होंने कांग्रेस के साथ अपने पांच दशक लंबे जुड़ाव को समाप्त करते हुए राजनीतिक संगठन-डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) का गठन किया। डीपीएपी के नेता ताज मोहिउद्दीन ने यहां संवाददाताओं से कहा, आज डीपीएपी की कोर कमेटी की बैठक हुई और हमने फैसला किया कि (पार्टी अध्यक्ष) गुलाम नबी आजाद अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले, आजाद ने 2014 का लोकसभा चुनाव उधमपुर संसदीय क्षेत्र से लड़ा था और वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता जितेंद्र सिंह से हार गए थे। अल्ताफ बुखारी की अपनी पार्टी के साथ गठबंधन की संभावना पर मोहिउद्दीन ने कहा कि इस मुद्दे पर कोई प्रगति नही हुई है। उन्होंने कहा, हमारे पास समय कम है और वार्ता में बहुत ज्यादा प्रगति नही हुई है। इसलिए बेहतर है कि वे अपना प्रयास करें और हम अपना। उनकी वैसे भी अनंतनाग सीट में कोई दिलचस्पी नही थी।

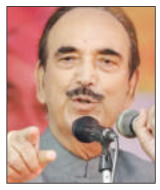

भाजपा ने अरुणाचल में चुनाव जीतने के लिए पैसे बांटे : तुकी

ईटानगर। कांग्रेस की अरुणाचल प्रदेश इकाई के अध्यक्ष नबाम तुकी ने राज्य के सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर विधानसभा चुनाव जीतने के लिए उनके (कांग्रेस के) उम्मीदवारों को पैसे का लालच देने का आरोप लगाया। तुकी ने दावा किया कि सत्तारूढ़ दल द्वारा भारी धनराशि दिए जाने के बाद कई पार्टी प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र वापस ले लिए। उन्होंने कहा

कि प्रारंभ में इस सबसे पुरानी पार्टी ने 60 विधानसभा सीट में से 44 पर प्रत्याशियों को खड़ा किया था लेकिन अब उसके केवल 19 उम्मीदवार रह गए हैं। तुकी स्वयं अरुणाचल पश्चिम संसदीय सीट से लोकसभा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। उनके पार्टी उपाध्यक्ष बोसीराम सिराम पूर्वी अरुणाचल सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह कोई आश्चर्य नहीं है... सत्तारूढ़ दल ने चुनाव जीतने के लिए सभी प्रयास किए हैं। यह खुला सच है कि भाजपा उम्मीदवार हमारे प्रत्याशियों को खरीदने के लिए धनबल का इस्तेमाल कर रहे हैं। यहां पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए पापुम पारे जिले के सांगली क्षेत्र के छह बार के विधायक तुकी ने कहा कि भाजपा भले ही कोई भी साजिश कर ले, कांगेस अधिकतम सीट जीतेगी। उन्होंने कहा, हमें सभी 19 सीट जीतने का विश्वास है जहां हमारे प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं।

राजनीतिक लाभ के लिए दिए जा रहे गैरजिम्मेदाराना बयान : मोइली

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम वीरप्पा मोइली ने कच्चातिवु द्वीप के मुद्दे को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव के दौरान राजनीतिक लाभ के लिए सरकार गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रही है। इस मुद्दे पर केंद्र सरकार पर पलटवार करते हुए, विपक्षी नेताओं ने सोमवार को 2015 के एक आरटीआई जवाब का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि 1974 और 1976 के समझौतों में भारत से संबंधित क्षेत्र का अधिग्रहण या उसे सौंपना शामिल नहीं था। उन्होंने कहा कि क्या नरेन्द्र मोदी की सरकार के रुख में में यह परिवर्तन चुनावी राजनीति के लिए है? पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को जिम्मेदार ठहराने के बजाय दस्तावेजों का सावधानी से अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने भारत की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी। चुनाव के दौरान केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना और लापरवाही वाले बयान शोभा नहीं देते और मतदाता इस तरह के गुप्त मकसद को समझ लेंगे, खासतौर पर तब जबकि तमिलनाडु में भाजपा के लिए हमेशा सूपड़ा साफ ही रहा है।

कांग्रेस प्रत्याशी भल्ला के समर्थन में जम्मू पहुंचे फारूक अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। जम्मू लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रमण भल्ला के समर्थन में सोमवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला जम्मू जिला उपायुक्त कार्यालय पहुंचे। रमण भल्ला के नामांकन दाखिल करने के दौरान वह यहां पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि इंडिया गठबंधन में कोई विवाद नहीं है।

फारूक, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती सब एकजुट हैं। एक सवाल के जवाब में फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि इंडिया गठबंधन का गठन डॉ. अंबेडकर के संविधान को बचाने के लिए किया गया है। उन्हें डर इस बात का है कि संविधान को खत्म किए जाने की साजिशें रची जा रही हैं। वे सभी उम्मीद में है, कि जनता लोकसभा चुनाव में उनका साथ देगी। उन्होंने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि पीएम मोदी रूस और चीन की तरह तानाशाही रवैया अपना रहे हैं। इंडिया गठबंधन ऐसा होने नहीं देगा।

भाजपा की नीतियों का शिकार हो रहे सभी : उमर

बोले- इंडिया गठबंधन का हिस्सा पीडीपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ नहीं उतारेगी उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा की त्रुटिपूर्ण नीतियों का शिकार हो रहे है सभी लोग। साथ नेंका नेता ने कहा कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) कश्मीर घाटी में उनकी पार्टी के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारेगी। ऐसा उन्होंने संभावना जताई। उमर ने कहा कि पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं।

अब्दुल्ला ने कश्मीर में नए गठबंधन के उद्भव की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि ये दल भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं और जम्मू-कश्मीर में भाजपा के छद्म

प्रतिनिधि के रूप में चुनाव लड़ेंगे। अनुच्छेद 370 पर अब्दुल्ला ने अपना रुख दोहराते हुए कहा कि यह एक गंभीर गलती थी जिसने जम्मू-कश्मीर के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की भी निंदा की और कहा कि वह भाजपा की त्रुटिपूर्ण नीतियों का शिकार हुए हैं।

अब्दुल्ला ने कहा कि पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने नेकां के खिलाफ उम्मीदवार उतारने का कोई इरादा नहीं दिखाया है। अब्दुल्ला ने दिल्ली में इंडिया गठबंधन की हालिया रैली का जिक्र किया, जहां महबूबा मुफ्ती ने नेकां अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के साथ मंच साझा किया और गठबंधन के लिए पीडीपी की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने मीडिया से भी आग्रह किया कि वह दोनों पार्टियों के बीच कलह न पैदा करें।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राकेश कुमार यादव पुत्र स्व. राम चरन एवं गुड्डा पत्नी स्व. राम चरन, निवासीगण-1 गणेशपुर रहमानपुर पटेल एन्क्लेव लखनऊ, खसरा नं.-610, राजस्व ग्राम - कंचनपुर मटियारी, वार्ड-चिनहट, तहसील एवं जिला- लखनऊ, मिश्रीलाल, रामपाल व राम गोपाल पुत्रगण कल्लू एवं अन्य के साथ सहखातेदार हैं एवं राकेश कुमार यादव पुत्र स्व. राम चरन एवं गुड्डा पत्नी स्व. राम चरन अपने- अपने हिस्से की उपरोक्त भूमि से एक संयुक्त प्लाट, क्षेत्रफल 1300 वर्गफिट, निकहत जहाँ पत्नी मो0 शादाब, निवासी - अहिरौली डूमर भर पडरौना कुशीनगर, को विक्रय कर रहे हैं एवं क्रेता पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा - लखनऊ, से गृह ऋण ले रहा है, यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 14 दिन के अंदर निम्न से संपर्क करें।

मृगेंद्र बहादुर सिंह
(अधिवक्ता)
पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
आफिस : ईडब्लूएस 209 - 210
सेक्टर - जी, जानकीपुरम, लखनऊ
मो0 - 9415542801, 6394317537

मयंक का फिर दिखा दम, लखनऊ को दिलाई दूसरी जीत

» आरसीबी को 28 रन से दी मात डिकॉक की उम्दा बल्लेबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। आईपीएल 2024 भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के लिए अच्छा नहीं जा रहा है। आईपीएल 2024 के 15वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने आरसीबी को उसी के होम ग्राउंड में 28 रन से मात दे दी। आरसीबी 182 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.4 ओवर में 153 पर ढेर हो गई। आरसीबी ने चार मैचों में से तीन गंवा दिए हैं। उसकी घर पर लगातार दूसरी हार है। एलएसजी ने लगातार दूसरा मैच जीता है।

युवा पेसर मयंक यादव ने एक बार फिर शानदार गेंदबाजी की है। उन्होंने चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए हैं। वहीं नवीन उल-हक ने दो जबकि मणिमारन सिद्धार्थ, यश ठाकुर और मार्कस स्टोइनिस ने एक-एक शिकार किया। आरसीबी के दो प्लेयर रन आउट हुए। वहीं एलएसजी के लिए क्विंटन डिकॉक की 81 गेंद की ताबड़तोड़ पारी के बाद मैन ऑफ द मैच मयंक यादव (14 रन पर तीन विकेट) की तूफानी गेंदबाजी की। चिन्नास्वामी मैदान पर अपना सौवां आईपीएल मैच खेल रहे विराट कोहली (16 गेंद में 22 रन) ने कृणाल पंड्या के खिलाफ चौका और नवीन उल हक के खिलाफ छक्का लगाया लेकिन वामहस्त स्पिनर मणिमारन सिद्धार्थ का इस लीग में पहला शिकार बने। देवदत्त पडिक्कल ने अगले ओवर में फाफ डु प्लेसिस (13 गेंद में 19 रन) को रन आउट किया। मयंक की तेज गेंद का मैक्सवेल और ग्रीन के पास कोई जवाब नहीं था।

एलएसजी ने पांच विकेट पर बनाए 181 रन

दरअसल, एलएसजी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 181 रन बनाने के बाद आरसीबी की पारी को 19.4 ओवर में 153 पर आउट कर दिया। आरसीबी की चार मैचों में यह तीसरी हार है। एलएसजी के पिछले मैच में अपने पदार्पण पर रफ्तार से प्रभावित करने वाले मयंक ने एक बार फिर शानदार गेंदबाजी करते हुए ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन और रजत पाटीदार जैसे बल्लेबाजों को अपनी गति से परेशान कर आउट किया। लखनऊ की टीम के लिए नवीन उल हक ने भी 25 रन देकर दो विकेट लिये। आरसीबी के लिए महिपाल लोमरोर ने 13 गेंद में 33 रन का योगदान दिया जबकि रजत पाटीदार ने 29 रन बनाये।

पीएम मोदी का विकल्प पूछने पर भड़के कांग्रेस सांसद

हम किसी एक व्यक्ति को नहीं बल्कि पार्टी या पार्टियों के गठबंधन को चुनते हैं: शशि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बोले- संसदीय प्रणाली में बेतुका सवाल ठीक नहीं

तिरुवनंतपुरम। चुनावों के प्रचार अपने चरम पर पहुंचने लगा है। देश के दोनों बड़े दल बीजेपी व कांग्रेस में एक-दूसरे पर हमलावर है। इस बीच पीएम मोदी के विकल्प के सवाल पर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकल्प से जुड़े सवाल को बेतुका करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह सवाल गलत है, क्योंकि हम किसी एक व्यक्ति को नहीं बल्कि एक पार्टी या पार्टियों के गठबंधन को चुनते हैं।

शशि थरूर ने यह जवाब एक पत्रकार के सवाल करने के बाद दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए शशि थरूर ने कहा, एक बार फिर से किसी पत्रकार ने मुझसे पूछा कि पीएम मोदी के विकल्प में कौन हो सकता है? यह सवाल संसदीय प्रणाली में बेतुका है। हम किसी एक व्यक्ति का चुनाव नहीं करते, बल्कि एक पार्टी या पार्टी के गठबंधन को चुनते हैं।

जिसमें व्यक्तिगत अहंकार नहीं होगा वह होगा नेता

थरूर ने कहा, प्रधानमंत्री का विकल्प जो भी होंगे वह एक अनुभवी, सक्षम और विविध भारतीय नेता होंगे जो लोगों की समस्याओं के प्रति उत्तरदायी होंगे और उनमें व्यक्तिगत अहंकार नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री का चयन एक माध्यमिक विचार है। वे किस व्यक्ति को प्रधानमंत्री के तौर पर चुनेंगे, यह एक गंभीर विचार है। केरल के तिरुवनंतपुरम से तीन बार के सांसद चौथी बार भी यहां से लोकसभा चुनाव लड़ने वाले हैं। इस सीट से वह भाजपा उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर और लेफ्ट फ्रंट के उम्मीदवार पन्यन रवींद्रन के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि पिछले कुछ हफ्तों से थरूर लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार कर रहे हैं। तिरुवनंतपुरम में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा। देशभर में सात चरणों में लोकसभा चुनाव होने वाला है। मतदान 19 अप्रैल से शुरू होगा।

वीवीपैट मामले पर अगले हफ्ते सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सभी ईवीएम के साथ वीवीपैट मशीन लगाने के मसले पर अगले हफ्ते सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एडीआर की तरफ से दायर की गई याचिका अगले हफ्ते मंगलवार या बुधवार के लिए सूचीबद्ध की जाएगी। याचिकाकर्ता संगठन एडीआर की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने मांग की कि याचिका पर जल्द सुनवाई की जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को वीवीपैट के मुद्दे पर दायर एक अन्य याचिका पर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा था। वरिष्ठ वकील गोपाल शंकर नारायणन भी इस मामले में कोर्ट में पेश हुए और उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक हैं और अगर इस मामले पर सुनवाई नहीं की गई तो यह याचिका निष्फल हो जाएगी। जस्टिस खन्ना के साथ ही पीठ में जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी भी शामिल रहे। पीठ ने कहा कि वे हालात से वाकिफ हैं और अगले हफ्ते मामले पर सुनवाई करेंगे। बीते साल 17 जुलाई को शीर्ष अदालत ने एडीआर की याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। अपनी याचिका में एनजीओ ने मांग की है कि चुनाव आयोग और केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करें कि मतदाता वीवीपैट मशीन के जरिए अपने वोट की पुष्टि कर सकें।

यूपी में गर्मी दिखाएगी और तेवर दो से तीन डिग्री की होगी बढ़ोत्तरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मौसम विभाग ने कहा है कि बुधवार से हवा की रफ्तार सामान्य होने से तीखी धूप अपना असर दिखाएगी। ऐसे में पारे में फिर से दो से तीन डिग्री के उछाल की बात कह रहे हैं। दरअसल, हवा की तेज रफ्तार ने बीते दो दिन तक चढ़ते पारे को थाम रखा था।

इस दौरान पूरे प्रदेश में दिन के अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा रही है। इससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली थी। मंगलवार को कई इलाकों में पारा सामान्य से नीचे पहुंच गया। बस्ती में 2 से 3 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। आगरा (37) प्रयागराज (38.6), झांसी (37.3) में पारा लगातार 40 से नीचे बना है। हालांकि रात के तापमान में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। लखीमपुर खीरी में न्यूनतम तापमान सोमवार के 27 डिग्री की तुलना में 22.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

सुशील मोदी को कैंसर, लोस चुनाव प्रचार से रहेंगे दूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी इस बार के लोकसभा चुनाव में मदद के नाम पर कुछ नहीं कर पाएंगे। वे पिछले छह महीने से कैंसर से पीड़ित हैं। बुधवार (03 अप्रैल) को खुद सुशील मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी है।

सुशील कुमार मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पिछले 6 माह से कैंसर से संघर्ष कर रहा हूं। अब लगा कि लोगों को बताने का समय आ गया है। लोकसभा चुनाव में कुछ कर नहीं पाऊंगा। पीएम को सब कुछ बता दिया है। देश, बिहार और पार्टी का सदा आभार और सदैव समर्पित।

महाराष्ट्र में कपड़ों की दुकान में लगी आग, सात लोगों की मौत

औरंगाबाद में हुआ हादसा, दो बच्चे, तीन महिलाएं भी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में छत्रपति संभाजीनगर के छावनी इलाके में आग लगने से 7 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में 2 पुरुष, 2 बच्चे और 3 महिलाएं शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक सुबह 4 बजे कपड़ों की दुकान में आग लग गई थी।

दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया था लेकिन फिर भी इस आग में 7 लोगों की मौत हो गई। संभाजीनगर के पुलिस आयुक्त मनोज लोहिया ने बताया कि यह आग आलम टेलर की दुकान में लगी थी और उसकी दूकान के ऊपर वाले फ्लोर पर लोग रहते थे। हालांकि, आग ऊपर नहीं पहुंची थी और इस वजह से माना जा रहा है कि उनकी मौत दम घुट जाने के कारण हुई है।

ताइवान में भूकंप से तबाही, कई मौतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ताइपे। ताइवान के लिए आज के दिन की शुरुआत बुरी खबर से हुई। सुबह उठते ही लोगों को ऐसे मंजर का सामना करना पड़ा जिसके बारे में उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा होगा। देश में सुबह-सुबह ही धरती अचानक हिलने लगी भूकंप के जोरदार झटकों से लोगों की नींद खुली। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई। मिली जानकारी के अनुसार, अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 50 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे है।

बताया जा रहा यह आंकड़ा अभी और भी बढ़ सकता है। बिजली की सप्लाई से लेकर इंटरनेट तक की सेवा देशभर में बाधित कर दी गई है। वहीं मेट्रो और ट्रेन की सेवाएं भी सस्पेंड की गई हैं। ताइवान के अलग-अलग शहरों से भूकंप की कई तस्वीरें और वीडियो सामने आई हैं। इन सभी तस्वीरों को देखकर आप अंदाजा लगा पाएंगे की

7.4 मापी गई रिक्टर पर भूकंप की तीव्रता

बचाव कार्य जारी

यह तस्वीर ताइवान के पूर्व में आए जोरदार भूकंप के बाद न्यू ताइपे शहर की है। भूकंप में एक क्षतिग्रस्त इमारत में फंसे एक जीवित को बचाव दल ने बचाया और उसके बाद उसकी देखभाल कर रहे हैं। सभी ढहे हुए मकान में फंसे लोगों के लिए राहत बचाव कार्य जारी है।

ताइवान में आया भूकंप कितना जोरदार था। ताइवान के पूर्व में आए जोरदार भूकंप के बाद हुआलिएन में एक क्षतिग्रस्त इमारत की तस्वीर है।

3 अप्रैल को ताइवान में आए शक्तिशाली भूकंप से दर्जनों इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कई बड़ी इमारतें नीचे की ओर झुक गई हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।